



શ્રી શાંતિનાયક - મુક્તિ સહ્યગ્રજાન અભ્યાસક્રમ

C/O. શાહ ગોવિંદજી વીરમ, ફેક્ટરી કમ્પાઉન્ડ, મોંટા રોડ, ઓરંગાબાદ - ૪૩૭ ૦૦૧

સહ્યગ્રજાન પ્રવેશિકા

જુન - જુલાઈ
(Jun) - July

અભ્યાસક્રમ જવાબ પત્ર ◆◆◆

એનરોલમેન્ટ નંબર

૧

ગામ

વિદ્યાર્થીનું નામ

પ્રશ્ન-૧ ખાલી જગ્યા

- (૧) કૃત્તિષ્ઠ કુલ્ય
- (૨) વાદ્યાવસાય
- (૩) પ્રતિદાસી
- (૪) દુઃકુણની
- (૫) વાચા
- (૬) વાચાભાગા
- (૭) વાજાદા
- (૮) વોજ કર્મી
- (૯) વોન્નાં પ્રક્રિ
- (૧૦) પ્રારોગિકા
- (૧૧) લાલ વિદ્ધી
- (૧૨) પ્રોફેશન
- (૧૩) અનુભાવ
- (૧૪) પ્રેરણ
- (૧૫) પંચમાંદુ
- (૧૬) વીજા વારાની
- (૧૭) ગારાસા
- (૧૮) હિંદુ વિદ્ધી
- (૧૯) રાખાની
- (૨૦) રાખાની

પ્રશ્ન-૨ એક જ શબ્દમાં

- (૧) નાતાલ
- (૨) લાલિકા
- (૩) રાનેનીલા
- (૪) ડાયાસી
- (૫) હાસ
- (૬) વાંદાલ સ્થિદ્ધ
- (૭) રાનીય સાંદી
- (૮) કાલુચી જાગાશ
- (૯) વાદ્યાસાય સોંગ
- (૧૦) દુઃ
- (૧૧) જાનાલિંગ
- (૧૨) સાયદ સાંદી/સાયદ
- (૧૩) માનદાદ
- (૧૪) ગોઝીલ
- (૧૫) કૃત્તિષ્ઠ કુલ્ય
- (૧૬) જાનાલિંગ
- (૧૭) રાખાની
- (૧૮) રાખાની
- (૧૯) રાખાની
- (૨૦) રાખાની

પ્રશ્ન-૩ શબ્દનો અર્થ

- (૧) રાનીલા કુલ્ય
- (૨) રાની
- (૩) મોષી
- (૪) રાખાની

પ્રશ્ન-૪ જોડકાં જોડો

- | | | | | | | | |
|-----|---|------|----|------|---|------|----|
| (૧) | ૩ | (૬) | ૩ | (૭) | ✓ | (૮) | ૨૨ |
| (૨) | ૨ | (૭) | ૨૦ | (૯) | ✗ | (૧૦) | ૭૦ |
| (૩) | ૭ | (૮) | ૮ | (૧૧) | ✗ | (૧૨) | ૭૮ |
| (૪) | ૫ | (૯) | ૫ | (૧૨) | ✗ | (૧૩) | ૭૦ |
| (૫) | ૮ | (૧૦) | ૮ | (૧૩) | ✓ | (૧૪) | ૭૦ |

$$\begin{array}{c}
 \boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}
 \end{array}$$

પ્રશ્ન ૧-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૨-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૩-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૪-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૫-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૬-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૭-મેળવેલ ગુણ + પ્રશ્ન ૮-મેળવેલ ગુણ = કુલ ગુણ

રીમાર્ક

તપસસનાર્થી સહી

१. जवळार मालुगंगमा पांच परमी^३ किंव नगस्तार उरवागां आल्यो हे, तेयी तेनुं भीकुं नाम पंशमंगलचूप्र
आशावा पंच परमी^३ ताव उहुपाया हे. तेना नवपृष्ठ हुवाशी तेनी नपडार उहुपाया हे. डाऊरागां चैक
नपडार मंग्रामारुपायाशी खोगुलीराताप्प, त्रैसठहुभर, पासी सडसठ पत्थीपगनुं हैवतानुं आयुत्या बांधाया हे
नपडार मंग्रामनी श्वेष रुपदार बातसागरीपगना पापने, ये पृष्ठ पराससनागरीपगना पापने अपने शंपुर्ण मंग्र
पांशसी सागरीपगना पापोनी नाश उरे हे. नपडारनी नवताप्प भपडरवाशी नरकगाते दूर दाय हेता
किंवपृष्ठ प्राप्त थाय हे

२. भुपोना मुक्त अनी संसारी श्वेमजो लेइ हे. सतत उगी बांधी विवर्ध प्रडारना सुष्टुः ज लोगो रहुया
हेते संसारी भुपो उहुपाया हेअने छे उर्मनी रक्षयी मुक्त याईगिया हे रिक्षाशिला उपर भिरात्मान हेते
भुक्त भुपो उहुपाया हे. संसारी भुपोना प्रस अजे स्थापर श्वेमजो लेइ हे. पौतानी ईरहा मुरुज्ज्वेड रथानेह
जीकास्थाने कृष्णाकृते प्रस भुपो उहुपाया. पौतानी ईरहाथी हुमनयानन नडरी कांते स्थापर भुपो
उहुपाया, तेना पांच लेइ हे, मृथीडाय, रुपडाय, तेउडाय, वाउडाय अनी पनस्पतिडाय, प्रस भुपोमा
बीर्दिन्दियाशी पंचान्द्रय भुपोनी समावेश थाय हे अने स्थापरमा खेडान्द्रय भुतीनो समावेश थाय हे

३. भूर्व अवहेजी प्रसन्न थवीसा हुयांचे गित युगलीयाने चोड परवेसाडी आलवालाड्यो, ते हुणीजी वर्दु
शीत हुवाशी जीकायुगलीयाशी ते युगलीयाने विमलवाहुन जीतावता. डाणना प्रलावे क्यारे उत्पवृष्टी अप्पीहा
थालाड्या त्यारे युगलीयाशी परस्ये उत्तु शारु घया लाड्यो, तेयी विमलवाहुने उत्पवृष्टी लहुंरी आप्या.
तेयी युगलीयाशी पौतपौतानी गांतीला उत्पवृष्टी सायपीने रहुवा लाड्या. ते छतां क्यारे कुवां वांधी
थातो तो तेगना गारे "हुआर" हंडनीति विमलवाहुन कुलहरे प्रवर्तावी.

४. अनुत्तरपासी हेवी घणु कैने ऊंचे हेते गानवलाव गहुपुडयना उहयाशी आपडु पास्या हीखो. अनेकी रुपा
गानवलाव हुयां शर्दी न गया तेगाटे नीरीनुं हृष्टां सतत नक्कर मांशपुं भीर्दय,
अोड हैवपौतानी हेवी शांतेशी शेडस्तंभनी पावडर जनावो तेना अदुर्घोने तेचु पर्वत उपर राटी हसाहिशाङ्गां
पावडरने झुंक गारी विजेरी जांधे हे. यांडी तोईतीने आज्ञाकरे कृते स्तंस तेवो हुतो तेवी अनाव, तो ते शांत्य
हे हुंगानी, तेवो करोते गवेता गानवलावने तो उघाय, मगाए अनी विघ्यना डारटु विजेरी गांप्पु
तो ते गानवलाव झरीदो गणपुं अत्यांत हुर्वंत हे.

५. भुव अदुपी हे परंतु संसारी भुव हुवाशी ते इपी हे. संपर्न-निर्झरा रुपने गोष्ट क्यवना भारिणाम
स्पृशप हे. चारिएुमा अदुपी हे तेयी आ प्राणीय तत्त्व अदुपी हे. अभ्युप दुपी हे सायेशाये पुडय-
पाप-आश्रव अने जंध अभ्युप हुवाशी इपी हे. नवतत्वना लैदमां कुल त्त लैद अदुपी हे अनेक्त
लैद इपी हे. नवतत्वना लैदगां कुल द्व लैद भुव हे अने रूठ लैद अभ्युप हे, तेगां रूठ लैद झोय
हे, रूठ लैद हुय हे अने ८२० लैद उपादेय हे, झोय अटेते गहुवा योग्य, हुय अटेते त्यजवा
योग्य अने उपादेय अटेते आहरवा योग्य.